ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय ज्ञान परंपरा का पाठ्यक्रम में एकीकरण शैक्षणिक पुनर्जागरण का कार्यक्रम : प्रो. कविता होले

वर्धा, 02 फरवरी 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग के सहयोग से भारतीय ज्ञान परंपरा का पाठ्यक्रम में एकीकरण विषय पर आयोजित छ: दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कवि कुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक की संस्कृत भाषा और साहित्य की

अधिष्ठाता तथा पाठ्यक्रम की पर्यवेक्षक प्रो. कविता होले ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में रोजगार उन्मुख शिक्षा देने के उद्देश्य से भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल करने का कार्यक्रम शैक्षणिक पुनर्जागरण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को भारतीयता का आत्मबोध कराया जाएगा साथ ही नवाचार को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। 02 से 07 फरवरी तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घघाटन ग़ालिब सभागार में सोमवार, 02 फरवरी को किया गया।

इस अवसर पर सेंट विंसेंट पालोती इंजीनियरींग एवं टेक्नॉलॉजी महाविद्यालय, नागपुर के सहायक प्रोफेसर तथा यूजीसी मास्टर ट्रेनर डॉ. प्रफुल्ल तरवटकर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षक केंद्र के निदेशक, साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि भारतीय चिंतन परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल करना इस प्रशिक्षण का उद्देश

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** **www.hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

है। इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति की परिकल्पना के अनुरूप बनाया गया है, जिसमें आयुर्वेद विज्ञान और तकनीकी को भी शामिल किया गया है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अध्यापक एवं शोधार्थियों के साथ-साथ अन्य राज्यों के 40 से भी अधिक अध्यापक एवं शोधार्थी सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण में प्रतिदिन चार व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे तथा अंतिम दिन परीक्षा ली जाएगी। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन, मां सरस्वती के फोटो पर पुष्पाजंलि अर्पित कर तथा कुलगीत से किया गया। अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल एवं सूतमाला से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संदीप कुमार वर्मा ने किया तथा दर्शन एवं संस्कृति विभाग के सहायक प्रोफेसर व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रणंजय कुमार सिंह ने आभार ज्ञापित किया।

भारतीय ज्ञानपरंपरेचे अभ्यासक्रमात एकीकरण शैक्षणिक पुनर्जागरणाचा कार्यक्रम – प्रो. कविता होले

वर्धा, २ फेब्रुवारी २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व शिक्षण मंत्रालयाच्या भारतीय ज्ञानपरंपरा विभागाच्या सहकार्याने भारतीय ज्ञानपरंपरेचे अभ्यासक्रमात एकीकरण या विषयावर आयोजित सहा दिवसीय मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रमाच्या उद्घाटन सत्रात कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक येथील संस्कृत भाषा व साहित्य विभागाच्या अधिष्ठाता तसेच अभ्यासक्रमाच्या पर्यवेक्षक प्रो. कविता होले यांनी मार्गदर्शन केले.

राष्ट्रीय शिक्षण धोरणानुसार रोजगाराभिमुख शिक्षण देण्याच्या उद्देशाने भारतीय ज्ञानपरंपरेचा अभ्यासक्रमात समावेश करण्याचा हा उपक्रम शैक्षणिक पुनर्जागरणाच्या दिशेने एक महत्त्वपूर्ण पाऊल ठरेल, असे त्यांनी नमूद केले. या कार्यक्रमामुळे विद्यार्थ्यांमध्ये भारतीयतेची आत्मजाणीव निर्माण होईल तसेच नवोन्मेषाला प्रोत्साहन मिळेल, असेही त्या म्हणाल्या.

२ ते ७ फेब्रुवारी दरम्यान आयोजित या प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे उद्घाटन सोमवार, २ फेब्रुवारी रोजी गालिब सभागृहात झाले. या वेळी सेंट व्हिन्सेंट पालोती इंजिनीअरिंग अँड टेक्नॉलॉजी महाविद्यालय, नागपूर येथील सहायक प्रोफेसर व यूजीसी मास्टर ट्रेनर डॉ. प्रफुल्ल तरवटकर यांनी कार्यक्रमाची रूपरेषा मांडली. मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्राचे संचालक व साहित्य विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार यांनी सांगितले की, भारतीय चिंतनपरंपरेचा अभ्यासक्रमात समावेश करणे हा या प्रशिक्षणाचा मुख्य उद्देश आहे. राष्ट्रीय शिक्षण धोरणाच्या संकल्पनेनुसार हा अभ्यासक्रम तयार करण्यात आला असून त्यामध्ये आयुर्वेद विज्ञान व तंत्रज्ञानाचाही समावेश आहे.

प्रशिक्षण कार्यक्रमात विश्वविद्यालयातील शिक्षक व शोथार्थीसह इतर राज्यांतील ४० हून अधिक शिक्षक व शोधार्थी सहभागी झाले आहेत. प्रशिक्षणादरम्यान दररोज चार व्याख्याने आयोजित करण्यात येणार असून अंतिम दिवशी परीक्षा घेण्यात येईल. कार्यक्रमाची सुरुवात दीपप्रज्ज्वलन, सरस्वतीच्या प्रतिमेस पुष्पांजली अर्पण करून तसेच कुलगीताने झाली. मान्यवरांचे स्वागत स्मृतिचिन्ह, शाल, श्रीफळ व सुतमाळ देऊन करण्यात आले. कार्यक्रमाचे संचालन जनसंचार विभागाचे सहायक प्रोफेसर व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संदीप कुमार वर्मा यांनी केले तर दर्शन व संस्कृती विभागाचे सहायक प्रोफेसर व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रणंजय कुमार सिंह यांनी आभार मानले.